



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 583]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 6, 2000/भाद्र 15, 1922

No. 583]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 6, 2000/BHADRA 15, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2000

आय-कर

का.आ. 806(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 40क की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (सोलहवां संशोधन) नियम, 2000 है।
2. (2) ये 25 जुलाई, 1995 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
3. आयकर नियम, 1962 के नियम 6घघ में, खंड (ठ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“(ड) जहां किसी प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक द्वारा, उसके कारबार के सामान्य अनुक्रम के दौरान विदेशी करेंसी के क्रय या यात्री चेकों के बदले संदाय किया जाता है।

स्पष्टीकरण :—इस खंड के प्रयोजन के लिए “प्राधिकृत व्यौहारी” या “मुद्रा परिवर्तक” पद से तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन विदेशी करेंसी या विदेशी मुद्रा में व्यौहार करने के लिए प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक के रूप में प्राधिकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है।”

[अधिसूचना सं. 11476/फा. सं. 142/43/2000-टी.पी.एल.]

दीपिका मित्रल, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना का. आ. सं. 969 (अ) तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अधिसूचना का. आ. सं. 776 (अ) तारीख 29-8-2000 द्वारा आय-कर पन्द्रहवां (संशोधन) नियम, 2000 द्वारा अंतिम बार संशोधित किए गए थे।

स्पष्टीकारक ज्ञापन

प्राधिकृत व्यौहारियों और मुद्रा परिवर्तकों से यह अपेक्षित है कि वे अपने कारबार के सामान्य अनुक्रम के दौरान विदेशी करेंसी या यात्री चेकों के क्रय के बदले सामान्यतः नकद संदाय करें। आयकर नियम, 1962 का नियम 6घघ, ऐसे मामले और परिस्थितियां विहित करता है, जिनमें धारा 40क की उपधारा (3) के अधीन नियम मीमा से अधिक राशि का संदाय बैंक पर आहरित रेखांकित बैंक या बैंक ड्राफ्ट के अलावा अन्यथा किया जा सकेगा। 25 जुलाई, 1995 से पूर्व, वे नियम 6घघ के खंड (ठ) का आश्रय लेते थे, जो धारा 40क की उपधारा (3) का साधारण अपब्राद

उपबंधित करता था, जहां निर्धारिती, निर्धारण अधिकारियों का यह समाधान कर सकता था कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण संदाय रेखांकित चैक/बैंक ड्राफ्ट से नहीं किया जा सकता था। तथापि, उक्त खंड का 25 जुलाई, 1995 से लोप कर दिया गया था। इसके कारण प्राधिकृत व्यौहारियों और मुद्रा परिवर्तकों को कठिनाई आ रही है क्योंकि निर्धारण अधिकारियों ने इन मामलों में 20,000 रु. से अधिक का नकद संदाय करने के लिए उक्त धारा 40क की उपधारा (3) के अधीन अनुज्ञात करना बन्द कर दिया है।

ऐसी कठिनाईयों को दूर करने के लिए नियम 6घघ को भूतलक्षी प्रभाव से संशोधित किया गया है। यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त नियम 6घघ में प्रस्तावित संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से किसी निर्धारिती के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 6th September, 2000

INCOME-TAX

S.O. 806(E).—In exercise of the powers conferred by section 295, read with sub-section (3) of section 40A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Sixteenth Amendment) Rules, 2000.
2. They shall be deemed to have come into force on the twenty-fifth day of July, 1995.
2. In the Income-tax Rules, 1962, in rule 6DD, after clause (1), the following clause shall be inserted, namely :—
“(m) where the payment is made by an authorised dealer or a money changer against purchase of foreign currency or travellers cheques in the normal course of his business.

Explanation.—For the purpose of this clause, the expression “authorised dealer” or “money changer” means a person authorised as an authorised dealer or money changer to deal in foreign currency or foreign exchange under any law for the time being in force.”

[Notification No. 11476/F. No. 142/43/2000-TPL]

DEEPIKA MITTAL, Under Secy.

Foot Note:— The Principal rules were published vide Notification S. O. No. 969 (E) dated 26-3-1962 and were last amended by Income-tax (Fifteenth Amendment) Rules, 2000 vide Notification S. O. No. 776 (E) dated 29-8-2000

Explanatory Memorandum

Authorised dealers and money changers are required normally to pay cash against purchase of foreign currency or travellers cheques in the normal course of their business. Rule 6DD of the Income-tax Rules, 1962 prescribes the cases and circumstances in which payments in a sum exceeding the limit fixed under sub-section (3) of Section 40A, may be made otherwise than by a crossed cheque drawn on bank or a crossed bank draft. Prior to the 25th July, 1995, they were taking recourse to clause (j) of rule 6DD which provided for general exception to the said sub-section (3) of Section 40A where the assessee could satisfy the Assessing Officers that payment could not be made through crossed cheque/bank draft due to unavoidable circumstances. However, the said clause was omitted with effect from the 25th July, 1995. This has resulted hardships to authorised dealers and money changers as the Assessing Officers have started making disallowance in these cases under the said sub-section (3) of Section 40A for making payments in cash exceeding Rs. 20,000.

In order to remove such hardships, rule 6DD has been amended retrospectively. It is certified that the retrospective effect to the proposed amendment to the said rule 6DD shall not prejudicially affect the interest of any assessee.